www.sgbauonline.com

AU–2106

M.A. (Part–I) Examination
HINDI (Old Course)
(B) Vishesh Adhyayan (Jayshankar Prasad)
Paper–IV (Optional Paper)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :

(क) तुम दूर चले जाते हो जब
तब लेकर तकली यहाँ बैठ;
मैं उसे फिराती रहती हूँ
अपनी निर्जनता बीच बैठ।
मैं बैठी गाती हूँ, तकली के
प्रति वर्तन में स्वर विभोर-
चल री तकली धीरे-धीरे
प्रिय गये खेलने को अहेर।

अथवा

नारी का वह हृदय! हृदय में
सुधा-सिन्धु लहरें लेता,
बाड़व ज्वलन उसी में जलकर
कंचन-सा जला रंग देता।
मधु पिंगल उस तरल अग्नि में
शीतल संसृति रचती,
क्षमा और प्रतिशोध! आह रे
दोनों की माया मचती।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ख) तुम हो कौन और मैं क्या हूँ ?
इसमें क्या है धरा, सुनो।
मानस जलधि रहे चिर चुम्बित-
मेरे क्षितिज! उदार बनो।

अथवा

उसी क्षण बचकर मृत्यु महागर्त से
सोचने लगी थी मैं –
"जीवन सौभाग्य है, जीवन अलभ्य है।"
चारों ओर लालसा भिखारिणी नहीं मांगती थी –
प्राणों के कण-कण दयनीय-सपृहणीय
अपने विश्लेषण में से उठे अकिंचन के –
"जीवन अनन्त है,
इसे छिन्न करने का किसे अधिकार है।"

(ग) मत कहो कि यही सफलता
फलियों के लघु जीवन की
मकरन्द भरी खिल जायें
तोड़ी जायें वे मन की।
यदि दो घड़ियों का जीवन
कोमल वृत्तों में बीते
कुछ हानि तुम्हारी है क्या
चुपचाप चू पड़े जीते!

अथवा

वेदना विकल फिर आई
मेरी चौदहों भुवन में
सुख कहीं न दिया दिखाई
विश्राम कहाँ जीवन में।
उच्छ्वास और आँसू में
विश्राम थका सोता है
सोई आँखों में निद्रा
बनकर सपना होता है।

3×10=30

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्ही **दो** के उत्तर लिखिए :

(क) "लहर' काव्य संग्रह में संकलित अतुकान्त लंबी कविताओं में इतिहास और कल्पना का सुन्दर समन्वय हुआ है।' इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

(ख) 'चन्द्रगुप्त' नाटक में राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष किस प्रकार निनादित हुआ है ? सप्रमाण समझाइए।

(ग) 'कंकाल' उपन्यास में प्रसाद का 'विजन' धुंधला, दिशाहीन और अप्रभावी दृष्टिगत होता है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने मत की साधार पुष्टि कीजिए।

(घ) 'यथार्थवाद और छायावाद' विषयक प्रसाद की मान्यताओं को निरूपित कीजिए। 2×15=30

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्ही **पांच** के उत्तर लगभग 15 से 20 पंक्तियों में लिखिए :

(i) मधुलिका के रानी बनने के स्वप्न और देशभक्ति की भावना मे कैसा आन्तर्द्वन्द्व उत्पन्न होता है ?

(ii) महानायक के आग्रह करने पर भी चम्पा दीप स्तंभ को क्यों नहीं छोड़ना चाहती ?

(iii) 'गुंडा' कहानी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है ?

(iv) 'सालवती' कहानी में बसंतोत्सव मनाने का उल्लेख किस संदर्भ में हुआ है ?

(v) 'देवरथ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता क्या है ?

(vi) 'आंधी' कहानी की रचना किस प्रयोजन से की गई है ?

(vii) 'शराबी' की शराब पीने की लत कैसे छुटती है ?

(viii) 'ममता' के चरित्र का प्रमुख वैशिष्ट्य क्या है ?

(ix) एक देशभक्त गरीब पिता का पुत्र अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए किस प्रकार छोटा जादूगर बन जाता है ?

(x) 'नशा' कहानी में किस प्रकार के नशे का चित्रण किया गया है ? 5×4=20

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए :

(i) कामायनी की मार्क्सवादी दृष्टिकोण से समीक्षा किस समीक्षक ने की ?

(अ) डॉ. नामवर सिंह (ब) डॉ. शिवदान सिंह चौहान

(क) गजानन माधव मुक्ति-बोध (ड) डॉ. रामविलास शर्मा

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ii) 'पागल रे' वह मिलता है कब
उसको तो देते ही हैं सब–'
ये पंक्तियाँ प्रसाद के किस काव्य संग्रह की हैं ?

(अ) झरना (ब) आँसू

(क) लहर (ड) कामायनी

(iii) 'हिमाद्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती' यह नाट्यगीत कौन गाता है ?

(अ) कार्नेलिया (ब) देवसेना

(क) मालविका (ड) ऊलका

(iv) 'आँसू' के किस संस्करण में प्रसाद ने कतिपय मूल छंदों में परिवर्तन किया है ?

(अ) द्वितीय संस्करण (ब) तृतीय संस्करण

(क) चतुर्थ संस्करण (ड) पंचम संस्करण

(v) तारा (यमुना), घंटी, लतिका, सरला, नंदी ये प्रसाद की किस रचना के नारी पात्र हैं ?

(अ) चन्द्रगुप्त (ब) ध्रुवस्वामिनी

(क) तितली (ड) कंकाल

(vi) प्रसाद के नाटकों पर गडे मुर्दे उखाड़ने का आरोप किसने लगाया था ?

(अ) डॉ. नंददुलारे वाजपेयी (ब) डॉ. नगेन्द्र

(क) लक्ष्मी नारायण मिश्र (ड) डॉ. रामकुमार वर्मा

(vii) 'महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है।' चन्द्रगुप्त नाटक में यह कथन प्रसाद ने किस पात्र के मुंह से कहलाया है ?

(viii) 'सालवती' कहानी में वसंतोत्सव मनाने का निर्देश कौन देता है ?

(ix) 'सौंदर्यबोध बिना रूप के हो ही नहीं सकता।' प्रसाद की यह मान्यता काव्य और कला तथा अन्य निबंध में व्यक्त हुई है। (कथन सत्य है/असत्य है)

(x) 'वीर भूमि पंचनद वीरता से रिक्त नहीं।' लहर की किस कविता की यह पंक्ति है ?

(xi) 'प्रलय की छाया' कविता की नायिका कौन है ?

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(xii) 'नाटकों के आरंभ' नायक निबंध में प्रसाद जी ने साहित्य का आरंभ पद्य से माना है।
(कथन सत्य है/असत्य है)

(xiii) 'इरावती' प्रसाद का अंतिम पूर्ण उपन्यास है। (कथन सत्य है/असत्य है)

(xiv) कार्नेलिया प्रथम बार चन्द्रगुप्त से साक्षत्कार कहाँ करती है।

(xv) 'आकुलि-किलात' कामायनी में किस रूप में चित्रित हुए हैं ?

(अ) असुर-पुरोहित (ब) मनु के सहायक

(क) देव संस्कृति के रक्षक (ड) श्रद्धा के भाई

(xvi) प्रारंभ में प्रसाद किस उपन्यास से कविता लिखते थे ?

(अ) चन्द्राकर (ब) मयंकर

(क) कलाधर (ड) प्रलयंकर

(xvii) प्रसाद की अक्षय कीर्ति का आधार भूत ग्रंथ कौनसा है ?

(अ) चन्द्रगुप्त नाटक (ब) आँसू

(क) कामायनी (ड) कंकाल

(xviii) 'आकाश दीप' कहानी का बुद्धगुप्त इस दार्शनिकों के देश, महिमा की प्रतिमा भारतवर्ष के प्रति हीन दृष्टि रखता है। (कथन सत्य है/असत्य है)

(xix) प्रसाद ने विश्व को कौनसी तर्क मंगलकारी दार्शनिक चेतना प्रदान की है ?

(xx) आज के वैज्ञानिक युग में कामायनी के संदेश की कोई प्रासंगिकता नहीं रह गयी है।
(कथन सत्य है/असत्य है)

$20 \times 1 = 20$

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com